Dainik Bhaskar (Indore), 06th June 2014, City Bhaskar

▶ आईआईटी इंदौर में गुरुवार को हुई सेकंड ईयर की कन्वोकेशन सेरेमनी में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने स्टूडेंट्स को संबोधित किया। फोटो : कमलेश ठाकु

क्रिएटिविटी और एक्सीलेंस रखें बरक़रार

गुरुवार को आईआईटी-आई की सेकेंड कन्वोकेशन सेरेमनी हुई। इसमें देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने स्टूडेंट्स को डिग्री दी। इस मौके पर उन्होंने स्टूडेंट्स को मोटिवेशनल स्पीच दिया। पढ़िए उन्हीं की जुबानी :

मैं जब आप सबको देखता हूं तो खुद से यह पूछता हूं कि जब मुझे 1957 में डिग्री मिली थी तब वो मेरी जिंदगी का सबसे खास दिन था। आज का दिन आपके लिए भी उतना ही खास है। इस दिन दो मैसेज जरूरी हैं। पहला, मैं सोसायटी के लिए क्या कर सकता हूं। दूसरा आने वाली प्रॉब्लम्स को डिफीट कर सक्सेसफुल बनें। मैं जहां भी जाता हूं आईआईटी ब्रांड डिस्कशन का कॉमन फैक्टर होता है। यह अपनी क्रिएटिविटी, एक्सीलेंस और इंटीग्रिटी के लिए जाना जाता है। इसे बरकरार रखें। आज, आप सभी इसी ब्रांड से ग्रेजुएट हुए हैं। डायरेक्टर्स रिपोर्ट का प्रेजेंटेशन यूनिक है जिसमें फेकल्टी व अंडरग्रेजुएट्स की रिसर्च पर ज्यादा फोकस किया गया है। पहली बार मैने किसी आईआईटी एन्वायर्नमेंट में रिसर्च का एलोबरेटेड फॉर्म देखा जिसमें हैवी सिलेबस है। मैं स्टूडेंट्स को कॉन्ग्रेचुलेट करता हूं। यह दिन आपकी स्मृति में हमेशा जिंदा रहेगा।

ऐसा काम करें जिसके लिए जाने जाएं

अपनी लाइफ को शेप दें। आज एक ऐसा पेज तैयार करें जिसमें लिखें कि आप किस काम के लिए याद किए जाएं। हो सकता है ह्यूमन हिस्ट्री की बुक का यह इम्पॉर्टेंट पेज हो और आप इस पेज को क्रिएट करने के लिए नेशन की हिस्ट्री में जाने जाएंगे। यह इनोवेशन, सोसायटल चेंज, पॉवर्टी को हटाने वाला, फाइटिंग इनजस्टिस का या फिर नेटवर्किंग रिवर्स के लिए प्लानिंग और एक्जीक्यूटिंग मिशन का हो सकता है। यह आपकी रिस्पॉन्सबिलिटी है कि लाइफ में वैल्यू और सेंस ऑफ पर्पज के लिए इस डिग्री को अर्न करें और जिएं। मुझे अच्छा लगेगा अगर आप अपने थॉट्स को मेरे मेल आईडी apj@abdulkalam.com पर शेयर करेंगे। मैं आपको शुभकामनाएं देता हूं।

ACHIEVER सही मेथड फॉलो करना जरूरी

गोल्डमेडलिस्ट | के. सम्हिता रेड्डी | सीजीपीए : 9.72

पैरेंट्स : शोभा और सम्मी रेड्डी

टारगेट : आईआईएम से करेंगी एमबीए

सक्सेस पंच : सम्हिता ने बताया कि कंसिस्टेंट हार्डवर्क और लॉजिकल स्टडी से किसी भी एग्जाम को क्रेक किया जा सकता है। आईआईटी में एडमिशन तो डिफिकल्ट होता ही है लेकिन यहां स्टडी करके पास होना उससे कई ज्यादा डिफिकल्ट है। इसलिए आईक्यू लेवल को स्ट्रॉन्ग और स्टडी में सही मैथड्स को फॉलो करना बहुत जरूरी है।

INSPIRATIONAL मुश्किलों में हासिल किया मुकाम

संतोष तोटा ने आईआईटी-आई से बीटेक कम्प्लीट किया और डिग्री हासिल की। संतोष ने बताया कि जब वे 10वीं क्लास में थे तब कैंसर के कारण उनके पिता की मृत्यु हो गई थी। संतोष के पिता हैदराबाद में आरटीसी में कंडक्टर थे। इसके बाद परिवार का बोझ संतोष पर आया क्योंकि अब परिवार में सिर्फ संतोष और उनकी मां ही थे। संतोष ने कहा कि तब ही सोच लिया था कि वे देश के लिए कुछ करेंगे। उन्होंने बताया कि देश के सर्वोच्च संस्थान से पासआउट होकर अब वे सिविल सर्विसेस की तैयारी करेंगे।

अच्छी रिसर्च से वर्ल्ड के टॉप इंस्टिट्यूशंस में मिलेगी जगह

सिटी भास्कर से खास बातचीत में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने बताया कि इंडिया के इंस्टिट्यूशंस में अच्छा रिसर्च वर्क हो रहा है। हमारे देश में रिसर्च पर फोकस कर किए गए कामों की बहुत जरूरत है। इसमें इनोवेशन और क्रिएटिविटी देखने को मिल रही है। इससे नेशन को बहुत फायदा होगा और करीब 202(तक हमारे इंस्टिट्यूट्स वर्ल्ड वे बेस्ट इंस्टिट्यूट्स की लिस्ट में शामिल हो सकेंगे। ऐसी आशा की जाना चाहिए कि स्टूडेंट्स अब रिसर्च में अपनी गहरी दिलचस्पी दिखाएंगे और इस फील्ड में खूब काम करेंगे। इसी तरह से हम वर्ल्ड में अपनी जगह बना पाएंगे।